THE PUBLIC PREMISES (EVICTION OF UNAUTHORISED OCCUPANTS) AMENDMENT BILL, 1992

THE MINISTER OF URBAN DEVE LOPMENT (SHRIMATI SHEILA KAUL): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971.

The question was put and the motion was adopted.

SHRIMATI SHEILA KAUL: Madam, I introduce the Bill.

RE. VIOLATION OF CONSTITUTION IN BHAR LEGISLATIVE ASSEMBLY

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार) महोदया, बिहार के विधान सभा सदस्यों के संरक्षण के लिए मैं आपसे और आपके द्वारा सरकार से मांग करता हूं कि बिहार में जिस तरह से जंगल राज चल रहा है और उसके साथ-साथ . . . **(व्यवधान)** महोदया, बिहार की विधान सभा में जो तांडव नृत्य हो रहा है जिस तरह से आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं महोदया, वहां बिहार विधान सभा सदस्यों के नेचुरल जस्टिस को दिलाया किया गया है . . . **(व्यवधान)**.

DR. NARRBDDY THULASI REDD^ (Andhra Pradesh): On a point of order. . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: You cannot raise a point of order if there is no business before the House. I haven't started anything. Now, Mr, Ahluwalia, I said yesterday it is a State matter. . .

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: नहीं, मैडम, ये स्टेट मैटर है और यह राज्य सभा भी काउंसिल ऑफ स्टेट्स है और हमारी कांस्टीटुएंसी बिहार विधान सभा है। हमारा विधान सभा को राज्य सभा के सदस्यों की कांस्टीटुएंसी होती है. . . **(व्यवधान)** . . .

SHRI K. G. MAHESHWARAPPA (Karnataka): How can he raise a State in alter hers?

SHRI ARANGIL SREEDHARAN (Kerala): How do you permit him to raise it here?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will answer it. Please sit down. I have not permited it.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: महोदया, वहां पर जो कुछ हो रहा है वह बहुत ही गंभीर बात है। महोदया, मैं कुछ तथ्य . . . **(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) महोदया, परंपराएं तोड़ी जा रही हैं . . . **(व्यवधान)** . . . संविधान के खिलाफ काम हो रहा है . . . **(व्यवधान)** . . . भारत सरकार बिहार सरकार को तत्काल भंग करे।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, you cannot raise the issue of a State Assembly here. We might be Council of States or we are the Council of States. What happens of that nature in the State Assembly, we cannot discuss it in the House. I cannot allow you to discuss it.

(Interruptions)

SHRI K. *G.* MAHESHWARAPPA: But he is still speaking on it. This is discrimination. I was not allowed to raise a similar issue the other day. . ..

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, I have not permitted him. I am asking him not to speak. *{Interruptions)* I am not al lowing it. I am asking them not to speak. Mr. Ahluwalia, Dr. Pandey, please take your seat. I am not allowing you. \

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: महोदया, एम०एल०एज० की सुरक्षा का सवाल है . . . **(व्यवधान)** . . .

डा० रत्नाकर पाण्डेय: मैडम, सामान्य जनता की क्या हालत होगी, इसकी तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। वहां पर इतना अधिक अत्याचार, अनाचार व दुराचार हो रहा है।